Dr. Priti Kumari
Department of Philosophy
Vaishali Mahila College
Hajipur

नीतिशास्त्र की परिभाषा (Nature of Ethics) नीतिशास्त्र एक आदर्शवादी विज्ञान है। जो मानव आचरण का मूल्यांकन करता है। 'Ethics' ग्रीक शब्द 'Ethica' से व्युत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है रीति, प्रचलन या आदत। इसे नीति-विज्ञान भी कहा जाता है। 'Morality' शब्द की उत्पत्ति mores से हुई है। mores का भी अर्थ है प्रचलन या रीति। अतः नीतिशास्त्र का संबंध प्रचलन, रीति या आदत से है। वैसी कर्म जो मनुष्य अपनी इच्छा से करता है। मनुष्य की सभी क्रियाएँ ऐच्छिक नहीं होती; जैसे छींकना, साँस लेना, आदि। तो नीतिशास्त्र का संबंध ऐच्छिक क्रिया या आचरण से है।

नीतिशास्त्र का संबंध आचरण के औचित्य और अनौचित्य से है। कैसा कर्म उचित है किसे अनुचित कहा जाना चाहिए। कर्मों के औचित्य-अनौचित्य को मापने के लिए एक नैतिक मापदण्ड, आदर्श या नियम की आवश्यकता होती है। नीतिशास्त्र को इसीलिए उचित आचरण या आचरण के आदर्श का विज्ञान कहा जाता है।

मनुष्य के सामाजिक जीव होने के कारण यह अनिवार्य हो जाता है कि उसके चरित्र और संकल्प नैतिक मापदंड के अनुकूल हों। सत् तथा शुभ जीवन के परम आदर्श कहे जाते।

विभिन्न मनुष्यों के विभिन्न आदर्श होते हैं। उदाहरणार्थ, धनसंग्रह, विद्योपार्जन, आत्मज्ञानलाभ, निर्वाण, गुरुभक्ति, मातृशक्ति, स्वदेशभक्ति इत्यादि। इसी प्रकार, समाज-सुधारकों, राजनीतिज्ञों, धर्मप्रवर्तकों, व्यापारियों, दार्शनिक के भी अलग-अलग लक्ष्य या आदर्श हो सकते हैं। जिससे मनुष्य का कर्तव्याकर्तव्य और उसके कर्मों के औचित्य-अनौचित्य का ठीक-ठीक निर्णय किया जा सके। चूँकि आचरण का आधार चरित्र है इसलिए इसे चरित्र-विज्ञान भी कहा जाता है।

Scanned with CamScanner